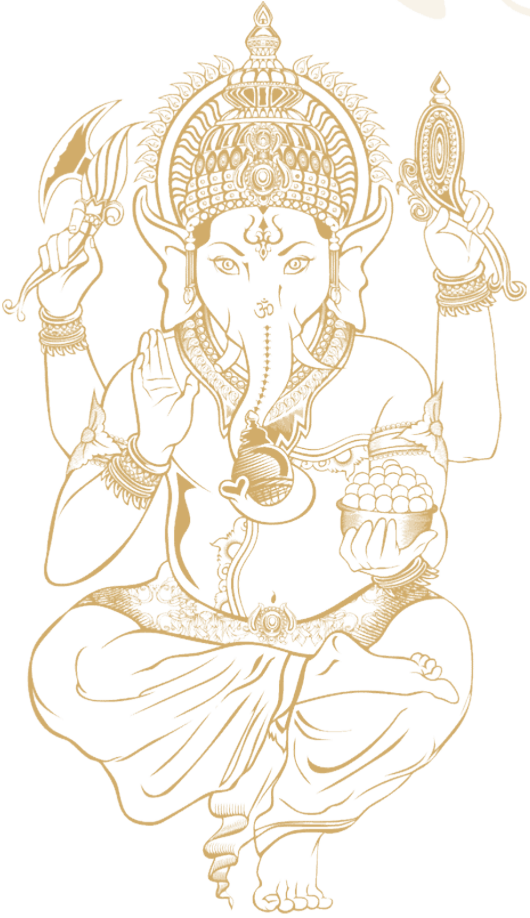

Vandita

01 Jun 1996

01:30 AM

Doda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121434806

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/06/1996**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	50:24:58 घटी
स्थान	**Doda**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	33:09:00 उत्तर
रेखांश	75:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:02:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	17:40:46 घंटे
सूर्योदय	05:20:00 घंटे
सूर्यास्त	19:30:52 घंटे
दिनमान	14:10:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:49:01 वृष
लग्न के अंश	28:53:39 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:53:39	546:17:20	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	16:49:01	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	02:45:11	14:24:12	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	27:41:50	00:43:35	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			मेष	26:27:04	00:18:05	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:42:52	00:04:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	01:49:10	00:27:02	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	11:43:12	00:04:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	22:00:11	00:06:07	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	22:00:11	00:06:07	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:33:44	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:40:24	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:40:46	00:01:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			धनु	01:46:48	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:28

लग्न-चलित

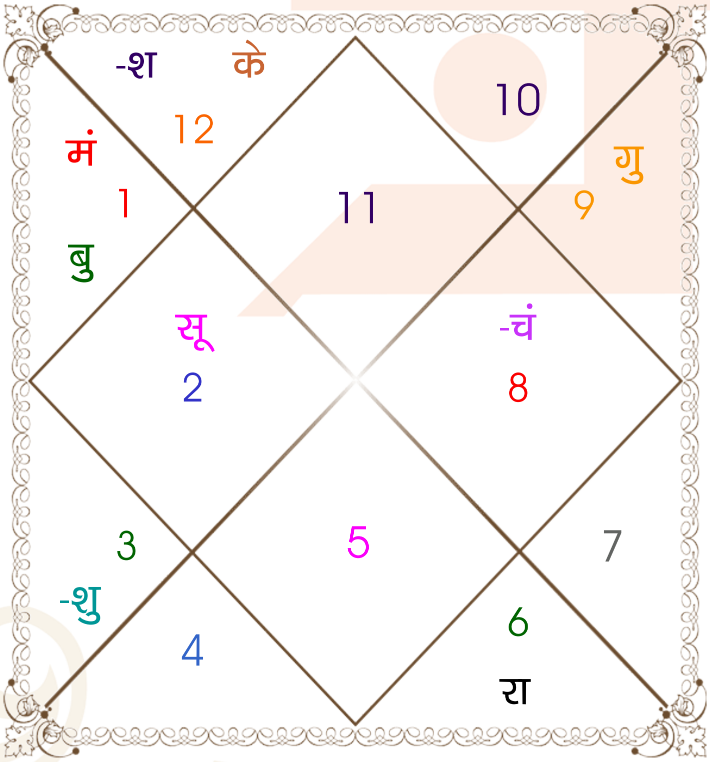

चन्द्र कुंडली

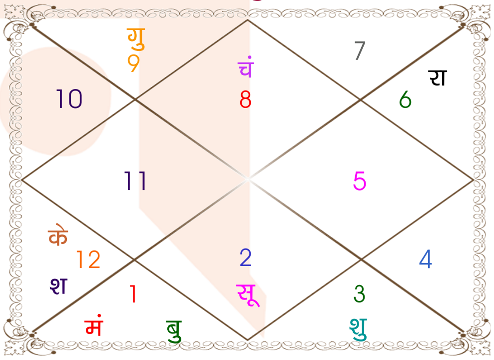

नवमांश कुंडली

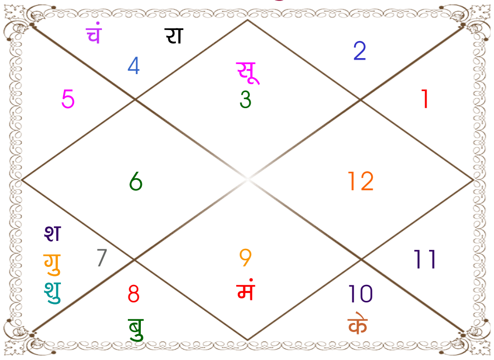

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 8 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
01/06/1996	**10/02/1997**	**11/02/2016**	**10/02/2033**	**11/02/2040**
10/02/1997	**11/02/2016**	**10/02/2033**	**11/02/2040**	**11/02/2060**
00/00/0000	शनि 14/02/2000	बुध 09/07/2018	केतु 09/07/2033	शुक्र 12/06/2043
00/00/0000	बुध 24/10/2002	केतु 07/07/2019	शुक्र 08/09/2034	सूर्य 11/06/2044
00/00/0000	केतु 03/12/2003	शुक्र 06/05/2022	सूर्य 14/01/2035	चंद्र 10/02/2046
00/00/0000	शुक्र 01/02/2007	सूर्य 13/03/2023	चंद्र 15/08/2035	मंगल 12/04/2047
00/00/0000	सूर्य 14/01/2008	चंद्र 11/08/2024	मंगल 11/01/2036	राहु 12/04/2050
00/00/0000	चंद्र 15/08/2009	मंगल 08/08/2025	राहु 29/01/2037	गुरु 11/12/2052
00/00/0000	मंगल 23/09/2010	राहु 26/02/2028	गुरु 05/01/2038	शनि 11/02/2056
01/06/1996	राहु 30/07/2013	गुरु 03/06/2030	शनि 13/02/2039	बुध 12/12/2058
राहु 10/02/1997	गुरु 11/02/2016	शनि 10/02/2033	बुध 11/02/2040	केतु 11/02/2060

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
11/02/2060	**10/02/2066**	**11/02/2076**	**10/02/2083**	**11/02/2101**
10/02/2066	**11/02/2076**	**10/02/2083**	**11/02/2101**	**02/06/2116**
सूर्य 30/05/2060	चंद्र 12/12/2066	मंगल 09/07/2076	राहु 24/10/2085	गुरु 01/04/2103
चंद्र 29/11/2060	मंगल 13/07/2067	राहु 27/07/2077	गुरु 18/03/2088	शनि 12/10/2105
मंगल 06/04/2061	राहु 10/01/2069	गुरु 03/07/2078	शनि 23/01/2091	बुध 18/01/2108
राहु 28/02/2062	गुरु 12/05/2070	शनि 12/08/2079	बुध 12/08/2093	केतु 24/12/2108
गुरु 18/12/2062	शनि 12/12/2071	बुध 08/08/2080	केतु 30/08/2094	शुक्र 25/08/2111
शनि 30/11/2063	बुध 12/05/2073	केतु 04/01/2081	शुक्र 30/08/2097	सूर्य 12/06/2112
बुध 05/10/2064	केतु 11/12/2073	शुक्र 07/03/2082	सूर्य 25/07/2098	चंद्र 12/10/2113
केतु 10/02/2065	शुक्र 12/08/2075	सूर्य 12/07/2082	चंद्र 23/01/2100	मंगल 18/09/2114
शुक्र 10/02/2066	सूर्य 11/02/2076	चंद्र 10/02/2083	मंगल 11/02/2101	राहु 02/06/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 8 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।